

News Report: Success Story II

I-DAPT Health-tech Hackathons at IIT (BHU) bring next-generation Health innovators on one platform.

Two days I-DAPT Health-tech hackathon was successfully concluded at I-DAPT Hub Foundation, IIT (BHU) Varanasi on 29th July 2022. Applications were invited from health-tech innovators from across the country. A total of 79 applications were received in the first round which was screened stringently and 15 top teams were invited for the finals, and finally, 13 teams registered for the finals.

Each team was assigned respective stalls to set up their prototypes/models and posters to explain the technology or working principle being used.

Hon'ble Director of IIT (BHU) Prof. Pramod Kumar Jain and Chief guest of the event Dr. Sanjay Singh, CEO and Executive Director, Gennova Pharmaceuticals inaugurated the hackathon by garlanding and giving floral tribute to Mahamana Pandit Madan Mohan Malviya Ji. Dean (R&D) of IIT (BHU) Prof. Vikash Kumar Dubey, Project Director of I-DAPT Hub Foundation Prof. Rajiv Prakash, Dr. Ajay Singh, Assistant General Manager, Gennova pharmaceuticals, Dr. Pranjal Chandra were among the other dignitaries.



Organizing secretary Dr. Pranjal Chandra welcomed the dignitaries with a bouquet and explained the theme of the event. Prof. Rajiv Prakash addressed the gathering and told them about I-DAPT Hub Foundation, its mission, vision, and achievements. Dean (R&D) Prof. Vikash Kumar Dubey talked about the rich and varied history of IIT (BHU) Varanasi, various research initiatives by IIT (BHU), and the sophisticated R&D infrastructure in the institute. He also briefed the gathering regarding various MoUs and Initiatives are taken to boost the startup ecosystem in IIT (BHU).

Chief Guest of the program Dr. Sanjay Singh shared his past experiences and how he left his lucrative job in Academics to pursue his dreams of a startup in the Pharmaceutical sector. He talked about the challenges he faced and how he turned his company debt-free. He motivated the young innovators by telling them how innovation is the ‘Growth-Engine’ for the future generation.

आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन फाइनल आयोजित करेगा

आईआईटी बीएचयू के हेल्थ-टेक सेक्टर को बढ़ावा देने की योजना

घाराणसी (विधान केसरी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू के आयोजित भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन, वाराणसी 28 और 29 जुलाई को राष्ट्रीय स्तर के मेधा इवेंट आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन के फाइनल का आयोजन करेगा।

इस संस्करण में भाग लेने वाले छात्र संस्थान के निदेशक और आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन के कोऑर्डिनेटर के चेयरमैन प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि स्वास्थ्य-तकनीकी क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास करने वाले छात्रों, नवोन्मेषकों, स्टार्टअप्स से पूरे भारत में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। कई दौर की स्क्रीनिंग के बाद, फाइनल के लिए पूरे भारत से 15 टीमों को विमान-लेवेल



विषयों से चुने गए। ये टीमों फाइनल राउंड में जूरी सदस्यों और अन्य उर्ध्वसूचकों लोगों को अपने उत्पादों/प्रोटोटाइप का प्रदर्शन करेंगी। विजेता और उपविजेता को 1,70,000 रुपये का नकद पुरस्कार और आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में कुल इंटरशिप के अवसर मिलेगा। प्रोटोटाइप के लाइव डेमो के अलावा, हैकथॉन में उद्योग और अकादमिक विशेषज्ञों द्वारा विषयगत मार्ग सत्र, मिनल चर्चा, प्रदर्शनीय आदि भी शामिल होंगे।

उन्होंने आगे बताया कि संस्थान हेल्थ-टेक क्षेत्र में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास पर लक्ष्याराम कर रहा है। यह हैकथॉन इस तरह की और एक ऐसा कदम है जो अंततः आम आदमी और समाज के अंतिम उपयोग के लिए फायदेमंद होगा। कई प्रयोजित परियोजनाओं और

संस्थान के अन्य समर्थन के अलावा, इस तरह के आयोजनों को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अंतरिक्षयण राशनर वैश्विक प्रणाली पर भारत के राष्ट्रीय मिशन के तहत प्रौद्योगिकी नवाचार हब (टीआईएचए) द्वारा भी समर्थित किया जाता है। प्रो. जैन ने यह भी कहा कि इस तरह के हैकथॉन के माध्यम से अनेकाली पौढ़े समाज में व्याप्त गंभीर समस्याओं के प्रति विवेचनात्मक रूप से सोचना सीखेंगे। ये आयोजन उनके विचारों के काबूबन्धन के लिए द्वार खोलते हैं और

बाद में इसे एक सफल उद्यम में परिवर्तित करते हैं। इस तरह के हैकथॉन प्रारंभिक प्रयोजनशील शी चेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया के दृष्टिकोण राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत आते हैं और स्वास्थ्य सेवा उद्योगों में अपनी पीढ़े के समाधान के लिए एक मूल्यवान संघ हो सकते हैं। हैकथॉन में प्रत्यक्ष वक्ताओं की प्रदर्शनी, संवादत्मक वार्ता सत्र शामिल हैं। हैकथॉन में उपलब्ध हुए विषयगत क्षेत्रों जैसे ट्रांसलेशनल हेल्थकेयर डिवाइस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) व्यवस्थापन चिकित्सा प्रौद्योगिकियाँ, पोर्टेबल डायग्नोस्टिक

सिस्टम, स्मार्ट चिकित्सा सल्लाह और अन्य प्रारंभिक मेड-टेक नवाचार शामिल हैं। डॉ. संजय सिंह, सीआईओ और कार्यकारी निदेशक, जेनोवा फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, डॉ. अजय सिंह, सहायक मलप्रबंधक और प्रमुख - एमआरएए विभाग, जेनोवा फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, प्रो. संजित शर्मा, जेन, प्रयोजित अनुसंधान और परामर्श और संस्थापक निदेशक, क्लिनोम इनोवेलन, बिहार पिलानी इस हैकथॉन को अतिरिक्त किया गया है।

जैन और एंड्रयू जे. प्रो. विकास कुमार दुबे ने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम कर रहे संस्थान के कई संकाय सदस्य जैसे, संधित और नूतन को खिंचलगा के लिए उन्नत खानपान अर्थात् पैर-अपक्रमक ऑप्टिकल सेंसर, त्वचा घाव घरे के लिए संयोग प्रोटीन अर्थात् जैव सामग्री, आईओएव अर्थात् इविलिगेट लेख नॉनटॉय सिस्टम सेंसिंग, इंटेक्चरन नॉनटॉय, और मेडिकल डिवाइस के लिए कंट्रोल डिजाइन से इंटीग्रेटिव सत्र आयोजित करेगा। हैकथॉन का आयोजन सांच, डॉ. प्रजल चंद्र ने कहा कि प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों और विवेकता के जुड़े सदस्यों की टीम द्वारा नवाचार, प्रौद्योगिकी व्यवस्था, सामाजिक प्रभाव, गतिशीलता आदि के कई मापदंडों पर अंकित जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विजेताओं को आईआईटी (बीएचयू) में इंटरशिप के अवसर मिलेंगे, जिसमें वे स्वास्थ्य-तकनीकी क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान और विकास के बारे में जानेंगे। आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन आई-डीएपीटी हेल्थ-टेक हैकथॉन, न्यू टैपसी मिलिट्री, आईआईटी बीएचयू वाराणसी में आयोजित किया जाएगा।

Hon'ble Director of IIT (BHU) Prof. Pramod Kumar Jain blessed the participants and motivated them to look for technology-based solutions for the grassroots problems in Health-sector. He said the government of India under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi is taking many initiatives to boost the innovation and startup ecosystem of the country and we must pledge to make his visionary national mission of 'Atmanirbhar Bharat' come true. He assured me that IIT (BHU) will provide all technical and mentorship supports to the teams to build their prototypes into value-added products. Prof Pramod Kumar Jain and Dr. Sanjay Singh visited the exhibition and Interacted with the teams to know about their innovative works.

A team of seven jury visited each stall and stringently evaluated the participants on parameters like Innovation, technology feasibility, societal impact, scalability, cost-effectiveness, etc.

The result announcement took place during the valedictory session held on 29th July. Prizes were distributed in two categories; Category 1 – Students, and Category 2 – Start-ups. In category 1, a team of Nitish Kumar and Monika Kumari of IIT-Jammu won the 1st Prize for the

microfluidic-based rapid and autonomous device to detect the Covid virus. Vandita Srivastava and a team of IMS BHU won the second prize for advanced placement of dental implants and Abhishek Mishra from Kolkata won the third prize for the low-cost, portable digital microscope. In Category-2, a team of Sukanya Dikshit and Dr. Vishwal of werehab technologies won the first prize for IoT-based post-trauma rehabilitation through the wearable insole, Saket Agrawal of Greenverse Pvt. Ltd. won the second prize for innovative AI-based air purifier and Himanshu Khosla won the third prize for smart AI-based trekking shoes. Winners and runner-ups will get cash prizes and free internship opportunities at IIT (BHU). A special category prize was given to 11th standard school student Mohit Ingle from Indore for AI-Based self-diagnosis kit. Prof. Pramod Kumar Jain felicitated the winners and Prof. Sanket Goel, Dean, Sponsored research and consulting, BITS Pilani felicitated the participants.

Expert talks were delivered by Industry and academic experts. Dr. Sanjay Singh took a session on ‘Transforming Indian Healthcare through Biotechnology’. Prof. Rajiv Prakash explained advanced materials-based optical sensors to monitor kidney diseases, Prof Sanket Goel talked about smart point-of-care Biosensors.

The I-DAPT Health-tech Hackathon concluded with National Anthem.

बीएचयू से इंटरनशिप करेंगे हेल्थ हैकथॉन के विजेता

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू और आई-डीएपीटी की तरफ से हेल्थ टेक हैकथॉन का फाइनल 28 और 29 जुलाई को आईआईटी की न्यू टीएलसी बिल्डिंग में होगा। इसके विजेताओं को यहीं इंटरनशिप का मौका भी मिलेगा। संस्थान के निदेशक और आई-डीएपीटी हब फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन प्रो. प्रमोद कुमार जैन से बताया कि आयोजन का उद्देश्य स्वास्थ्य तकनीकी के क्षेत्र में नई तकनीक और विचारों को बढ़ावा देना है।

हैकथॉन के शुरुआती चरण ऑनलाइन मोड में हुए थे। स्वास्थ्य-तकनीक क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास करने वाले छात्रों, नवोन्मेषक और स्टार्टअप को पूरे देश से आमंत्रित किया गया। कई दौर की स्क्रीनिंग के बाद देश की 15 टीमों का चयन फाइनल राउंड के लिए हुआ है। 28 और 29 जुलाई को ये टीमों ज्यूरि के सदस्यों और विशेषज्ञों के सामने अपने प्रोटोटाइप का प्रदर्शन करेंगी।

■ आईआईटी में हैकथॉन का फाइनल 28-29 जुलाई को

■ स्वास्थ्य तकनीकी के क्षेत्र में नए विचारों-प्रयोगों को मिलेगी मान्यता

विजेता व उपजेता टीमों को 1.70 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और आईआईटी बीएचयू में इंटरनशिप करने का अवसर मिलेगा। आयोजन में प्रोटोटाइप के लाइव डेमो के अलावा, हैकथॉन में उद्योग और अकादमिक विशेषज्ञों का विषयगत वार्ता सत्र, पैनल चर्चा, प्रदर्शनियां आदि भी होंगी।

प्रो. जैन ने बताया कि आईआईटी बीएचयू स्वास्थ्य तकनीकी के क्षेत्र में लगातार काम कर रहा है। कार्यक्रम में जेनोवा फार्मास्युटिकल्स के सीईओ डॉ. संजय सिंह, सहायक महाप्रबंधक डॉ. अजय सिंह और क्लियोम इनोवेशन बिट्स पिलानी के संस्थापक निदेशक प्रो. संकेत गोयल को भी आमंत्रित हैं।

THE TIMES OF INDIA
WEDNESDAY, JULY 27, 2022

Health-tech Hackathon finals on July 28, 29

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: The I-DAPT Hub Foundation, Indian Institute of Technology (IIT)-Varanasi will conduct the finals of national level mega event IDAPT Health-tech Hackathon on July 28 and 29.

Applications were invited from students/innovators/start-ups in the health-tech sector from across India. After several rounds of screening, 15 teams were finally shortlisted.

These teams will demonstrate their products/prototypes to the jury members and other attendees. Winners and runner-ups will get cash prizes worth Rs 1.70 lakh and free internship opportunities at IIT(BHU)-Varanasi. Apart from live demos of prototypes, hackathon will also consist of thematic talk sessions by industry and academia experts, panel discussion, and exhibitions.

The IIT(BHU) director Prof Pramod Kumar Jain said that the institute is continuously working upon development of critical and emerging technologies in the med-tech sector. This hackathon is one such step towards this goal. Such events are also supported by Technology Innovation Hub (TIH) under India's National Mission on Interdisciplinary Cyber Physical System funded by the department of science and technology.

The hackathon consists of exhibitions, interactive talk sessions from eminent speakers. The dean (R&D) Prof Vikash Kumar Dubey said that Dr Sanjay Singh, CEO and executive director, Genova Pharmaceuticals Limited, Dr Ajay Singh, assistant general manager and head - mRNA department, Genova Pharmaceuticals Limited, Prof Sanket Goel, dean, sponsored research and consulting and founding director, Cleome Innovations, BITS Pilani are among the external invitees for this hackathon.